|  |  |
| --- | --- |
| Name: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ | Date: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ |

The Study of Salvation

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1R |  |  |  |  |  |  | 2F |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3S |  |  |  |  |  E |  |  |  |  |  |  |  O |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 4F |  A |  I |  T |  H |  | 5G |  R |  A |  C |  E |  |  |  R |  |
|  |  |  |  |  |  | 6S |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  N |  |  |  |  |  I |  |  |  |  |  |  |  G |  |
|  |  |  |  |  |  |  O |  |  | 7G |  L |  O |  R |  I |  F |  I |  C |  A |  T |  I |  O |  N |  |  | 8P |  |  |  |  I |  |
|  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  E |  |  |  R |  |  |  |  V |  |
|  |  |  |  |  |  |  I |  |  |  |  | 9A |  | 10G |  |  |  I |  |  | 11C |  |  R |  |  |  O |  |  |  |  E |  |
|  |  |  |  |  | 12R |  E |  D |  E |  M |  P |  T |  I |  O |  N |  |  F |  |  |  O |  | 13A |  D |  O |  P |  T |  I |  O |  N |  |
|  |  |  |  |  |  |  R |  |  |  |  |  O |  |  S |  |  |  I |  |  |  N |  |  T |  |  |  I |  |  |  |  E |  |
|  |  |  |  |  |  |  O |  |  |  |  |  N |  |  P |  |  |  C |  |  |  V |  |  I |  |  |  T |  |  |  |  S |  |
|  |  |  |  | 14H |  O |  L |  Y |  |  | 15R |  E |  P |  E |  N |  T |  A |  N |  C |  E |  |  O |  |  |  I |  |  |  |  S |  |
|  |  |  |  |  |  |  O |  |  |  |  |  M |  |  L |  |  |  T |  |  |  R |  |  N |  |  |  A |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  G |  |  |  |  |  E |  |  |  |  |  I |  |  |  S |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  |
|  |  | 16M |  E |  R |  C |  Y |  |  |  |  |  N |  | 17R |  E |  C |  O |  N |  C |  I |  L | 18I |  A |  T |  I |  O |  N |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  N |  |  |  O |  |  M |  |  |  O |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  N |  |  P |  |  |  N |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  U |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 19J |  U |  S |  T |  I |  F |  I |  C |  A |  T |  I |  O |  N |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  A |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  I |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  O |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  N |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |
| --- | --- |
| **Across****4.** To trust; to believe. Ephesians 2:8-9**5.** Unmerited favor; not earned. John 1:14**7.** The final stage of transformation from a sinner to a resurrected saint. John 14**12.** The payment of sin by the sacrifice of Christ; bought back. Ephesians 1:7-8**13.** Condition of sonship given to one not naturally born. Ephesians 1:5**14.** Set apart for God's service and glory. Hebrews 12:14**15.** To turn; to change one's mind and action. Acts 2:38**16.** Not receiving the deserved punishment of God. 2 Timothy 1:16**17.** The removal of the barrier of sin to restore a right relationship. 2 Corinthians 5:14-21**19.** To declare righteous. Romans 4:25 | **Down****1.** Working of the Holy Spirit to give life and nature to the sinner; from death to life. Titus 3:5**2.** Removal of charges against a sinner. 1 John 1:9**3.** The process where God continually works to make the believer more like Him; process of being made holy. Romans 12:1-2**6.** The study of salvation**8.** The turning away of God's wrath. 1 John 2:2**9.** Offering a sacrifice; to cover over; to place out of sight. Leviticus 14:31**10.** The good news of the resurrection of Jesus on behalf of sinners. Romans 1:1**11.** The moment you receive the Holy Spirit and realize salvation. Matthew 18:3**18.** To credit to one's account, such as righteousness on the believer. Romans 5 |